(३ घंटे) (कुल गुण :१००

सूचना : (१) प्रथम एवं **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।
(२) शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखिए।

१. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं चार की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। २०

(क) सखि हे हमर दुखक नहिं ओर।
ई भर बादर माह भादर,सून मंदिर मोर।
झंपि घन गरजति संतत, भुवन भरि बरसंतिया।
कंत पाहुन काम दारुन, सघन खर सर हंतिया।।

(ख) यह जग अंधा मैं केहि समझावों।
इक-दुई हों उन्हें समुझावों सब ही भुलाना पेट के धंधा।
पानी के घोड़ा पवन असवरवा ढरकिपरै जस ओस के बुंदा।
गहरी नदिया अगम बहै धरवा खेवनहारा पड़िगा फंदा।

(ग) तपै लागि अब जेठ असाढी। तोहि पिउ बिनु छाजनि भइ गाढ़ी।।
तन तिनउर भा, झूरौं खरी। भइ बरखा, दुख आगरि जरी।
बंध नाहि औ कंध न कोई। बात न आव कहौं का रोई?

(घ) माधव! यह ब्रज को व्यवहार ।
मेरो कह्यो पवन को भुस भयो, गावत नंद कुमार।।
एक ग्वारि गोधन लै रेंगति, एक लकुट कर लेति।।
एक मंडली करि बैठारति, छाक बाँटि कै देति।।
एक ग्वारि नटवर बहुलीला, एक कर्म गुन गावति।।
कोटि बात कै मैं समुझाई नेकु न उर में ल्यावति।।

(च) ग्यान अगम प्रत्यूह अनेका । साधन कठिन न मन कहुँ टेका।।
करत कष्ट बहु पावइ कोऊ। भक्तिहीन मोहि प्रिय नहिं सोऊ।।
भक्ति सुतंत्र सकल सुख खानी। बिनु सतसंग न पावहिं प्रानी।।
पुन्य पुंज बिनु मिलहिं न संता। सतसंगति संसृति कर अंता।।

(छ) बाम बाँह फरकति मिलै जौ हरि जीवनमूरि।
तौ तोहीं सौं भेटिहौं राखि दाहिनी दूरि।।
बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
सौंह करैं भौंहनु हँसै दैन कहैं नटि जाइ।।

[TURN OVER

२. विद्यापति पदावली में विरह-वेदना की सार्थक अभिव्यक्ति हुई है- स्पष्ट कीजिए। १०

३. कबीर के दार्शनिक विचारों पर प्रकाश डालिए। १०

४. जायसी की रहस्यवादी धारणा पद्मावत में किस तरह व्यक्त हुई है? १०

५. 'भ्रमरगीत सार' में गोपियों की विरह वेदना किस तरह प्रकट हुई है? १०

६. तुलसी की भक्ति भावना का विवेचन कीजिए। १०

७. बिहारी ने वियोग श्रृंगार का वर्णन किस तरह किया है? १०

८. (अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए- १०

(१) आदिकाल का 'मैथिल कोकिल' किसे कहा गया है?
(२) किस भक्तिकालीन कवि को 'वाणी का डिक्टेटर' कहा गया है?
(३) भक्ति काव्य में कबीर के दोहे किस नाम से जाने जाते हैं?
(४) पद्मावत में कुल-कितने खंड हैं?
(५) पद्मावत में मन का प्रतीक कौन है?
(६) गोपियों को उद्धव कौन-सा संदेश देते हैं?
(७) गोकुल में सभी लोग किसके उपासक थे?
(८) 'जो केवल पितु आयसु ताता। तौ जनि जाहु जानि बड़ि माता।।' यह पंक्ति किसकी है?
(९) तुलसीदास के गुरु कौन थे?
(१०) नहिं पराग नहि मधुर मधु....किसको संबोधित करते हुए लिखा गया था?

(आ) उचित विकल्प चुनकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए: १०

(१) इनमें से कौन सी रचना विद्यापति की नहीं है?
(क) कीर्तिलता (ख) कीर्तिपताका (ग) अभिनव जयदेव (घ) लिखनावली
(२) इसमें से किसका संबध कबीर से नहीं है।
(क) - बीजक (ख) रमैनी (ग) साखी (घ) दोहाकोश
(३) कबीर ने कागद की पुड़िया किसे कहा है?
(क) जीवन (ख) संसार (ग) जीव (घ) पंडित
(४) पद्मावत में हृदय का प्रतीक कौन है?
(क) चित्तौर (ख) सिंहल (ग) दिल्ली (घ) नागमती

[TURN OVER

(५) नागमती ने जिस पक्षी से अपना विरह कहा उसकी क्या दशा हुई?
(क) पक्षी दुखी हो गया (ख) पक्षी रोने लगा
(ग) उड़ गया (घ) पक्षी जल गया.

(६) इनमें से किस कवि का संबंध पुष्टिमार्ग से है?
(क) कबीरदास (ख) सूरदास (ग) तुलसीदास (घ) केशवदास.

(७) उद्धव ने किसकी खेप लादकर ब्रज में लाकर उतारी?
(क) कृष्ण की स्मृतियों की (ख) कृष्ण संदेश की
(ग) प्रेम की (घ) ज्ञान योग की

(८) रामचरित मानस में राम कथा के वक्ता इनमें से कौन नहीं हैं?
(क) शिव (ख) याज्ञवल्क्य (ग) काग भुशुंडि (घ) गरुड

(९) तुलसीदास ने कलियुग और रामराज्य का वर्णन रामचरित मानस के किस कांड में किया है?
(क) बाल कांड (ख) अयोध्याकांड (ग) लंकाकांड (घ) उत्तरकांड

(१०) 'स्वारथु सुकृत न स्रम वृथा देखि बिहंग विचारि' यह दोहा किस के लिए लिखा गया था?
(क) आपस में लड़ते देशी राजाओं के लिए (ख) मुगल शासकों के लिए
(ग) अंग्रेज शासकों के लिए (घ) इनमें से किसी के लिए नहीं.

.....